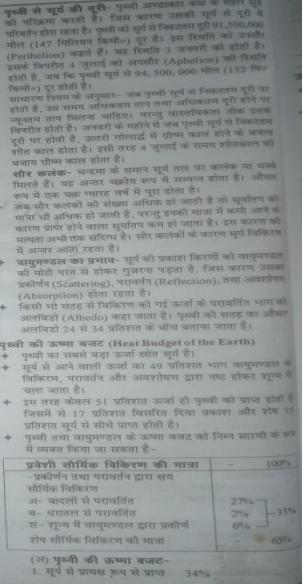
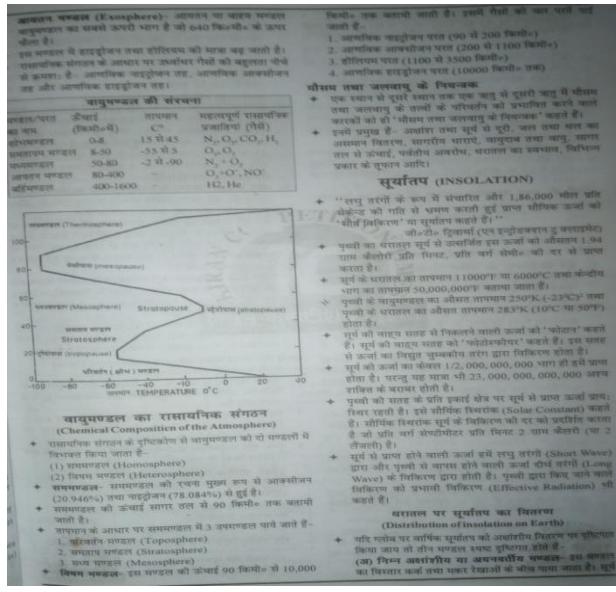
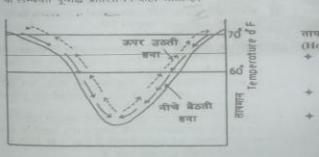
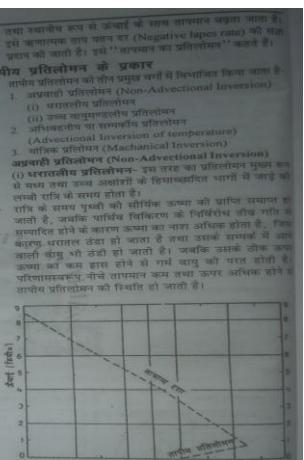
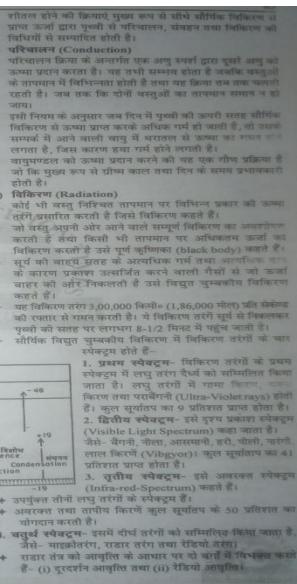


विषय—भूगोल , बी. ए. द्वितीय बर्ष (प्रश्न—पत्र , प्रथम)



2. विद्युति विद्युति प्रकाशन से प्राप्त	17%	
3. गैरिजन	51%	
(अ) वातावरण की कारण बढ़ाया-		
1. प्रदूषण सोशलिटी विवरण का प्रयोग अवधारणा	14%	(1)
2. वातावरणीय पारिवहन विवरण द्वारा प्राप्त	34%	
सामग्री	48%	

प्राकृतिक ऊर्जा का उत्तम संयुक्ति	
प्राप्त करना	प्रयोग करना
51%	22% विद्युत ऊर्जा
	9% विद्युत ऊर्जा संबंधी द्वारा
	19% प्राकृतिक ऊर्जा द्वारा
	31% गैस
2) वायुप्रदानिक ऊर्जा का संयुक्ति (Atmospheric heat balance)	
प्राप्त करना	प्रयोग करना
14% प्राकृतिक ऊर्जा का विद्युतिकरण से	48% शूद्र ऊर्जा में विद्युतिकरण
6% प्राकृतिक ऊर्जा से	9% विद्युत ऊर्जा संबंधी
	9% विद्युत ऊर्जा संबंधी



इस पात्र के नीचे कम तापमान होने से प्रतिलोभण को दिलाई जाती है। इस तरह का व्यांकिक प्रतिलोभण प्रतिचक्षणातीय दशाओं को शाम और रात के दौरान अलग बताता है, जबकि उसके विवरण हैं-

अधिक होता है। यह अवासीन से जहाँ वह वासिक प्रतिलिपेन एक सामाजिक प्रक्रिया होती है।
यह परिलोभन का यह तर्ब
इसके कारण कई प्रकार के भौतिक तथा जातिवादी सम्बन्धी प्रभाव

(1) अपर पर्म तथा नीचे लंडो वायु को परतों के बाहर छोड़ना प्राप्त हो जाता है। इस तरह का बहुत जटिल त्रिकोणीय में प्राप्त वाया रहता है। गम तक लंडो आगामी धाराओं के स्थिति स्थान पर दर्शन तथा अवधारण करना पड़ता है। बहुत द्वारा दर्शनीय हो जाती है, लापा भी दर्शन करने के बाहर के लकड़ी दर्शन करने की वजह से -

के, वारपं सामारों में जलवायनी तथा चम्पाएँ परा लालूवायनी को दुर्घटनाएँ प्राप्त, घटती रही हैं। कहाँ-कहाँ पर फसलों नदय करती हैं जो खेतों के लिए बहुत लालू प्राप्त होता है।
 (2) तापमान प्रतिलोमन के समय यदि कुप्रबधित गर्म वायु में आदित्य वर्तमान होती है तथा यदि उसकी ठंडी-चम्पाएँ का तापमान विकल्प करने मात्रा जाती है तो यासा धड़ने लगता है। तापमान

(३) तापीय प्रतिलोमन के कारण वायुपात्रकला में बिहारा ज्ञानी, जिस कारण वर्षों की सम्भवानाएँ करने हो जाती हैं। इस प्रतिलोमन के द्वारा ज्ञानी प्रतिलोमन बोला हो जाता है।

प्रतिशेषकातापीय दशाएँ होती हैं, यहां पर शुष्कता बहु जाती है।
पान का क्षेत्रिक वितरण
Horizontal distribution of Temperature)
 सामान्य रूप से भूमध्य रेखा से द्वारा की ओर, खाल कर दशरथ अवधियों में तापमान तेजी से घटता जाता है। तापमान के इस घटने

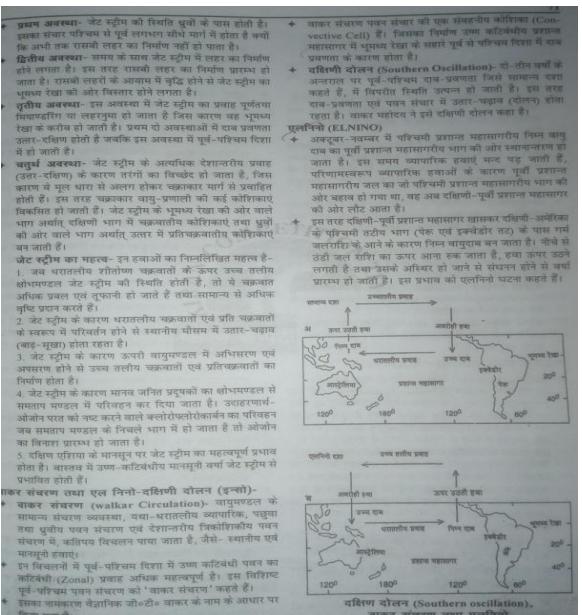
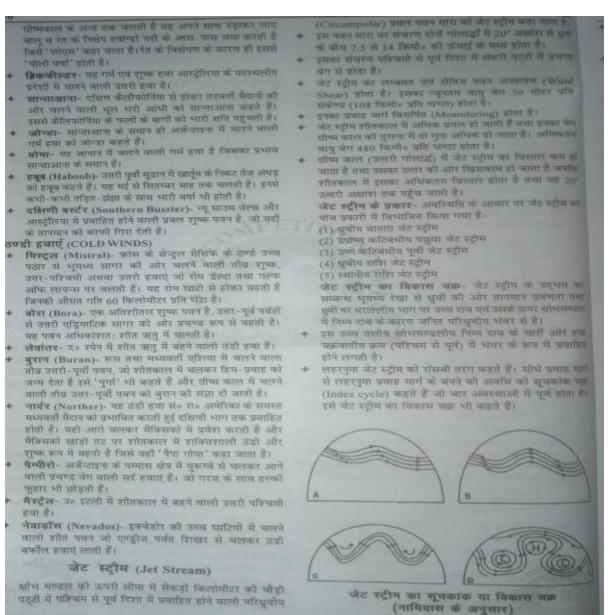
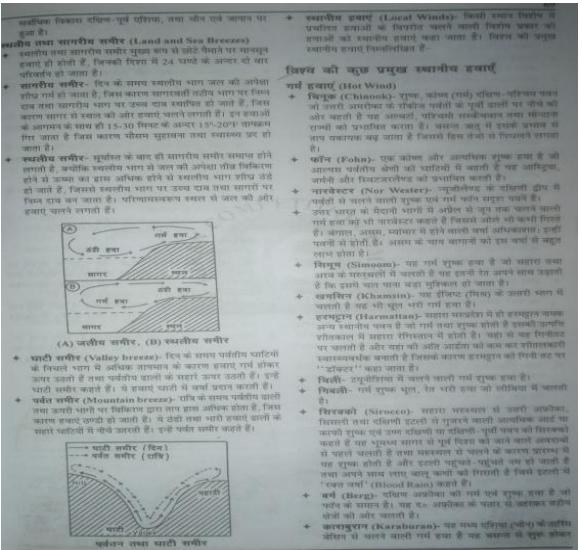
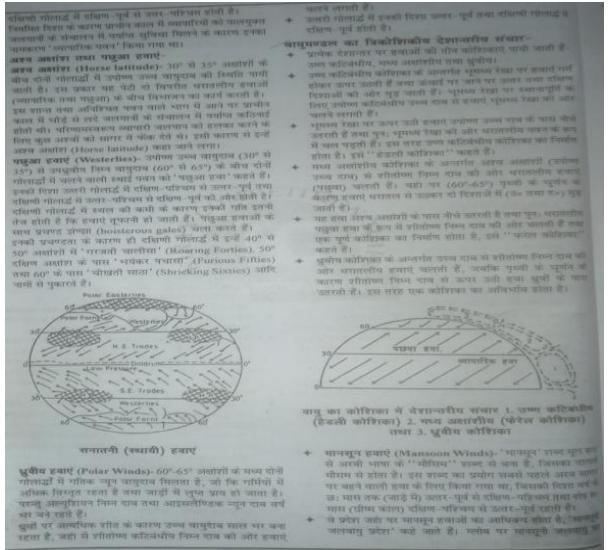
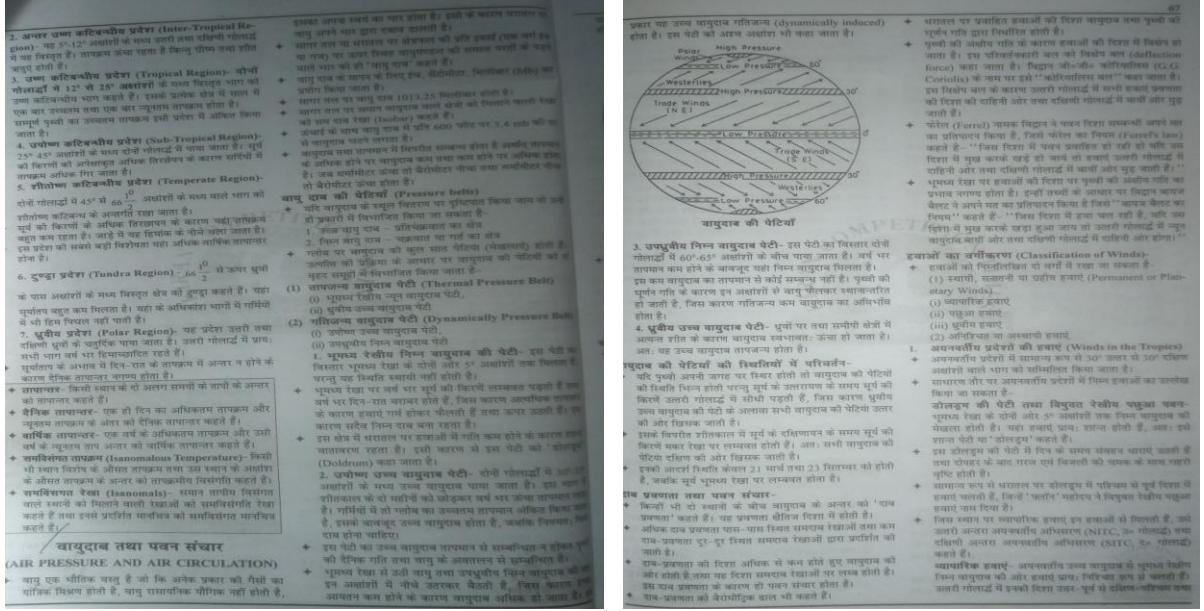
जो दर का ताप प्रवृत्ति (Temperature gradient) कहा जाता है। तापमान की लीटिंग वितरण का प्रदर्शन तथा अवश्यक समानरूप रेखाओं (Isotherms) के द्वारा किया जाता है।

तापमान रेखाएँ— समान तापमान वाले (समान तरह वाले) वर्षाने को बनाने वाली रेखा को 'तापमान रेखा' कहते हैं। इसके लिए, सबसे पहली तरफ स्थानों के वास्तविक तापमान के समान तरह

के सापमान के अप में परिवर्तित कर दिया जाता है। इस तरह के सम्पादन रेखाएं, किसी भी तात्पुरता का वास्तविक तात्पानमन व बाधक यात्रा तल का तात्पानमन बनाती है। जब सम्पादन रेखाएं, पार-पार होती हैं तो कर्मसे लापानमन के तीर्त्थों से परिवर्तित का आधार बनता है तथा वे शीर्ष यात्र प्रयत्नों को दर्शाती हैं। इसके विपरीत उक्ता दूर-दूर बढ़ती

ताप प्रवणता को इमित करता है।
उपर्युक्त कार्यालय प्रादेशिक वितरण
(Regional Distribution of Temperature)

विपूलत रखा प्रयास करा। यहाँ 60-70% वर्षा की किरणें घोषी पड़ती हैं तथा दिन-सात 12-12 घण्टे के लिए भी तापमान वर्षा भर उंगा जाता है।



आर्द्रता तथा वर्षा (HUMIDITY AND PRECIPITATION)

विवरणों में उत्तमता अनुभाव को आदेता कहते हैं। यह एक विशेषज्ञता की दृष्टि से अधिक अनुभाव है, जिसका उपयोग अनुभाव का विवरण करने के लिए किया जाता है।

अधिक गांत है।

वादलों का वर्गीकरण (Classification of Clouds)

and I appreciated this as well.

वायु का वर्गीकरण

